

प्रपक,

सुनीलश्री पांथरी  
उप राचित,  
उत्तराखण्ड शासन।

राजा में,

महानिदेशक,  
विकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

विकित्सा अनुभाग- 5

देहरादून: दिनांक: 29 मई, 2009

विषय: वित्तीय वर्ष 2009-10 में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, कनालीछीना जनपद पिथौरागढ़ के भवनों के पुनरीक्षित लागत की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र सं०-75/1/सी०एच०सी०/94/2001/11310 दिनांक 24.3.2009 तथा शासनादेश संख्या-532/XXVIII-5-2005-07/2005 दिनांक: 22-12-2005, जिसके द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, कनालीछीना जनपद पिथौरागढ़ के भवनों के निर्माण हेतु रु० 106.16 लाख की लागत पर प्रशासनिक/वित्तीय अनुमोदन प्रदान किया गया है, के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, कनालीछीना जनपद पिथौरागढ़ के निर्माणाधीन भवनों को पूर्ण करने हेतु पुनरीक्षित आगणन की आंकलित लागत रु० 3,18,31,000.00 (रुपये तीन करोड़ अठारह लाख इकतीस हजार मात्र) के सापेक्ष वर्तमान वित्तीय वर्ष 2009-10 में औचित्यपूर्ण पुनरीक्षित लागत रु० 2,90,21,000.00 (रुपये दो करोड़ नब्बे लाख इक्कीस हजार मात्र) पर प्रशासकीय / वित्तीय अनुमोदन प्रदान करते हुए रु० 50,00,000.00 के (रुपये पचास लाख मात्र) व्यय की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- धनराशि तत्काल आहरित की जायेगी तथा क्षेत्रीय प्रबन्धक, निर्माण इकाई, उ०प्र० समाज कल्याण निर्माण विभाग लि० उत्तराखण्ड को उपलब्ध करायी जायेगी। स्वीकृत धनराशि का उपयोग प्रत्येक दशा में उसी वित्तीय वर्ष में सुनिश्चित किया जायेगा। कार्य में प्रगति की निरंतर समीक्षा करते हुए उक्त को समयसमय पर उसी वित्तीय वर्ष में पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा। किसी भी दशा में पुनः आगणन पुनरीक्षण नहीं किया जायेगा।

3- आगणन में उल्लिखित दरें केवल आगणन गटित के लिये ही अनुमन्य हैं। कार्य कराने से पूर्व दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को तथा जो दरें शिड्यूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं, अथवा बाजार भाव से ली गई हैं, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदन करना आवश्यक होगा। सदोपरान्त ही आगणन की स्वीकृति मान्य होगी।

4- कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गटित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करनी होगी बिना प्राविधिक स्वीकृति के किसी भी दशा में कार्य प्रारम्भ न किया जाए।

5- कार्य पर उक्त ही व्यवस्था की जायेगी कि स्वीकृत मानक है। स्वीकृत मानक से अधिक का कार्य न किया जाये।

6- एक मूल प्राविधान को कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन गटित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृत प्राप्त करना आवश्यक होगा।

7- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित करें।

8- कार्य कराने से पूर्व स्थल का भूतली-भाति निरीक्षण उच्चधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता के साथ अवश्य करा जाये। निरीक्षण के पश्चात आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाये।

9- उपर कार्य के संबंध में वित्त विभाग के शासनादेश सं०-475/XXVII(7)/2008 दिनांक 15-12-2008 के अनुसार निर्धारित प्रपत्र पर एन०ओ०सी० अवश्य हस्ताक्षरित किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

10- निर्माण सामग्री का प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से परीक्षण करा ली जाय तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री का ही प्रयोग में लाया जाए।

11- गी०पी०डब्ल्यू० फार्म 9 की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई को कार्य सम्पादित करना होगा तथा समय से कार्य को पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आगमन की कुल लागत का निर्माण इकाई से 100% वसूल किया जायेगा।

12- मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के आदेश संख्या-2047/XXV-219(2006) दिनांक 30.05.2006 द्वारा निर्देश आदेशों के क्रम में कार्य करते समय अथवा आगमन मंतिम करने के समय जहाँई से पालन करने का उद्देश्य रहे।

13- सामग्री एवं न निर्माण कार्य हेतु उत्तराखण्ड अधिष्ठाता नियमावली 2008 का अनुपालन आवश्यक किया जायेगा तथा निर्माण एजेंसी के साथ वित्त विभाग के आदेशानुसार निर्धारित प्रपत्र पर कार्य को हस्ताक्षर कर लिया जायेगा।

14- वर्ष 2009-10 के आय-व्यय में अनुदान सं०-12 लेखाशीर्षक 4210- चिकित्सा तथा जन स्वास्थ्य पर भूजगत परिव्यय, 02-ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाएँ -आयोजनागत, 104- सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र 03-सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों की स्थापना, 0302-सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों का निर्माण (विस्तार वरि) 24-गृह निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।

15- यह आदेश वित्त विभाग के अशा० सं०-53(P)/वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3/2009 दिनांक 26.5.2009 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

( सुनीलश्री पांथरी )  
उप सचिव,

संख्या-556 (1)/XXV III-5-2009-07/2005 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नालिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, माजरा देहरादून।
- 2- निर्देशक कोषागार उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 3- आयुक्त गढ़वाल/कुमाऊँ नण्डल उत्तराखण्ड।
- 4- स्टाफ ऑफिसर, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड।
- 5- जिलाधिकारी, पिथौरागढ़।
- 6- वित्त नियंत्रक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, उत्तराखण्ड।
- 7- मुख्य चिकित्साधिकारी, पिथौरागढ़।
- 8- मुख्य कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, देहरादून/पिथौरागढ़।
- 9- निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री।
- 10- अपर सचिव, मा० मुख्यमंत्री।
- 11- निजी सचिव, मा० चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री।
- 12- क्षेत्रीय प्रबन्धक, निर्माण इकाई, उ०प्र० समाज कल्याण निर्माण निगम लि० उत्तराखण्ड।
- 13- जम्मेदार राजकोषीय, नियोजन व संसाधन निदेशालय, सचिवालय, देहरादून।
- 14- वित्त (व्यय नियंत्रण) अनु०-3/नियोजन विभाग/एन०ओ०सी०।
- 15- पीठिया सेंटर, उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
- 16- मातृ फाईल।

( सुनीलश्री पांथरी )  
उप सचिव

(धनराशि लाख रू० में)

क्र० सं०	कार्य का विवरण	निर्माण इकाई	मूल लागत	अबतक अवमुक्त कुल धनराशि	पुनरीक्षित लागत	वर्ष 2009-10 में स्वीकृत की जा रही धनराशि
1	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, कनालीछीना जनपद मधोरागढ़ का भवन निर्माण	उ०प्र० समाज कल्याण नि०निगम	106.16	106.16	290.21	50.00
	योग-		106.16	106.16	290.21	50.00

(रू० पचास लाख मात्र)

( सुनीलश्री पांथरी )  
उप सचिव,